

पाठ-05 पर्वत प्रदेश में पावस –सुमित्रानंदन पंत

1. प्रस्तुत कविता में किस ऋतु का वर्णन किया गया है?
2. वर्षा ऋतु में कौन अपनी जादूगरी दिखा रहा है?
3. पर्वत प्रदेश में कौन –सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?
4. पावस ऋतु में प्रकृति में कौन-कौन से परिवर्तन आते हैं? कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
5. कवि ने तालाब की समानता किसके साथ दिखाई है और क्यों?
6. झरने किसके गौरव का गान कर रहे हैं? बहते हुए झरने की तुलना किससे की गई है?
7. 'है टूट पड़ा भू पर अंबर'- आशय स्पष्ट कीजिए।
8. अर्थ स्पष्ट कीजिए :  
गिरिवर के उर से उठ उठ कर  
उच्चाकांक्षाओं से तरुवर  
हैं झाँक रहे नीरव नभ पर  
अनिमेष, अटल, कुछ चिंतापर।
9. इस कविता में मानवीकरण अलंकार का प्रयोग किस प्रकार किया गया है ?स्पष्ट कीजिए ।
10. 'पंत प्रकृति चित्रण के सर्वोत्तम कवि हैं ।'-स्पष्ट कीजिए ।